विश्वविद्यालय में नैक निरीक्षण से पहले होगी मॉक विजिट

कुलपति ने विभागाध्यक्षों को 15 दिन में काम पूरे करने के दिए निर्देश

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

नवंबर में होने वाले नैक निरीक्षण को लेकर विश्वविद्यालय में अभी भी कुछ काम बचे हुए हैं। कुलपति ने शनिवार को विभागाध्यक्षों को 15 दिनों में सारे काम पूरे करने का समय दिया है। इसमें प्रत्येक विभाग को अपना-अपना प्रेजेंटेशन भी बनाकर रखना है। विश्वविद्यालय प्रशासन नैक की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अक्टूबर से मॉक विजिट करवाने पर जोर दे रहा है। इसके लिए कुलपति ने मॉक टीम बनाने की बात कही।

शनिवार दोपहर तक्षशिला परिसर के ईएमआरसी में नैक को लेकर रखी गई बैठक में कुलपति डॉ. रेणु जैन और विभागाध्यक्ष शामिल हुए। पहले दस मिनट में सभी विभागों के शेष कार्यों के बारे में पूछा गया। बारिश की वजह से कुछ विभागों में रंगरोगन-नवीनीकरण नहीं हुआ है। हर विभाग को सात बिंदुओं पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए कुलपति ने 15 दिन का समय दिया है।

प्रेजेंटेशन में टीचिंग लर्निंग, रिसर्च, इन्फ्रास्ट्रक्चर, विद्यार्थियों की भागीदारी, सिलेबस-कोर्स के बारे में जानकारी देना है। मीडिया प्रभारी डॉ. चंदन गुप्ता ने बताया कि नैक का दौरा 21 नवंबर को प्रस्तावित है। उसके पहले विभागों को काम पूरा करना है।

मॉक टीम में हो सकते हैं अन्य विवि के प्रोफेसर

बैठक में कुलपति ने नैक के पहले विभागों का दौरा करने वाली मॉक टीम के लिए अन्य विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों को रखने की बात कही है, जिससे विभागों की कमियां सामने आ सकेंगी। इन्हें समय रहते ही पूरा किया जा सकेगा। बताया जाता है कि पिछली बार औरंगाबाद के कुछ प्रोफेसरों की टीम बनाई गई थी।

विजन-मिशन हो स्पष्ट

कुलपति ने कहा कि प्रेजेंटेशन में प्रत्येक विभाग को अपना विजन-मिशन स्पष्ट रखने की जरूरत है। टीम को यह समझाना होगा कि अगले पांच सालों के लिए विभाग का क्या लक्ष्य होगा। उन्हें कौन से कोर्स शुरू करने हैं, किस क्षेत्र में रिसर्च हो, टीचिंग में आधुनिक पद्धति का इस्तेमाल समेत कई बिंदु बताने होंगे।

एलएलबी-बीएएलएलबी की 300 कॉपियां जांची, 10 में आया अंतर

इंदौर। रिजल्ट बिगड़ने के बाद एलएलबी और बीएएलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर की दोबारा कॉपियां जांची जा रही है, जिसमें 300 में से महज 10 कॉपियों के नंबर में अंतर मिला है। अधिकारियों के मुताबिक अगले सप्ताह तक सैम्पलिंग रिपोर्ट आने की उम्मीद है। उसके बाद विश्वविद्यालय निर्णय लेगा। अगस्त के तीसरे सप्ताह में एलएलबी (28 फीसदी) और बीएएलएलबी (50 फीसदी) फर्स्ट सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को कुछ विषयों में एटीकेटी आई। ये लेबर लॉ, वीमेन क्रिमिनल लॉ, जेंडर जस्टिस विषय थे। वैष्णव लॉ कॉलेज, रेनेसां, आईआईएल, धार स्थित एमएस लॉ कॉलेज, खालसा कॉलेज के विद्यार्थियों ने शिकायत दर्ज करवाई है। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने करीब 500 कॉपियों की सैम्पलिंग करवाना तय हुआ। अधिकारियों के मुताबिक अधिकांश विद्यार्थी न्यूनतम अंक नहीं आने से फेल हुए हैं।

अब आईईटी में वाहनों के इंजन टेस्टिंग कर सकेंगे स्टूडेंट्स

संस्थान ने खरीदे उपकरणों की बनाई लैब, कंपनियों को देंगे

कपिल नीले
इंदौर। नईदुनिया

मैकेनिकल इंजीनियरिंग में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) नया प्रयोग करने जा रहा है। विभाग ने इंजन की क्षमता और मशीन की भार पता लगाने के लिए उपकरण खरीदे हैं। पट्रोल-डीजल इंजन को परखा जा सकेगा। इसका फायदा ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनियों मिलेगा, क्योंकि टेस्टिंग के लिए इंजन बाहर भेजना पड़ता है। इन उपकरणों से कंपनियां यहीं इंजन की गुणवत्ता का परीक्षण करवा सकेंगी।

आईईटी ने इंजन टेस्ट रिंग (65 लाख) और पोलरस्कोप (25 लाख) के उपकरण खरीदे हैं। विभाग प्रदेश का पहला शैक्षणिक संस्थान है जहां इन उपकरणों की लैब बनाई है। इसमें पीजी-पीएचडी वाले विद्यार्थी काम कर सकेंगे।

उपकरण का चित्र। नईदुनिया

मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डीन डॉ. अशेष तिवारी के मुताबिक पोलरस्कोप उपकरण से मशीन व प्रॉ... टेस्टिंग की जाएगी। इसे मशी... पार्ट्स के मैटेरियल का ... आसानी होगी। वहीं दूसरे ... मदद से पेट्रोल-डीजल के ... कर सकेंगे, जिसमें उनकी ... अप, एवरेज, स्पीड और पा... सकेगा। इन उपकरणों की लैब ... से शोधार्थी, एमई-एमटेक के ... के लिए रखी है। जहां इन वि... लिए काम किया जा रहा है।

डॉ. तिवारी ने बताया ... उपकरण ऑटोमोबाइल ... लिए फायदेमंद है क्योंकि ... टेस्टिंग के लिए इंजन को पुणे-... बैंगलुरू में भेजती हैं। विभाग ... कंपनियों को यह सुविधा देने ... लिखा जा रहा है।